शब्दावली

अंतर फसली कृषि
एक ही मौसम में एक ही खेत पर दो या अधिक फसलों को इकट्ठे उगाने की प्रथा।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
मुख्यत: अपने आधिक्य उत्पादों के विनियम और अभावों को दूर करने के लिए देशों के बीच चलने वाला व्यापार।

आयात
एक देश में किसी अन्य देश से लाई गई वस्तुएँ।

आर्थिक भूगोल
भूगोल का वह पक्ष अथवा शाखा है जिसमें लोगों के जीविकोपार्जन की विधियों में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पाई जाने वाली समानताओं और भिन्नताओं को उजागर करने वाली मनुष्य की आर्थिक क्रियाओं पर पड़ने वाले भौतिक और सांस्कृतिक पर्यावरण के प्रभावों का अध्ययन किया जाता है।

उद्योग
श्रम विभाजन और मशीनों के व्यापक प्रयोग से अभिलक्षित क्रमिक उत्पादन।

औद्योगिक क्रांति
विनिर्माण का हस्तचालित यंत्रों से ऊर्जा चालित मशीनों में परिवर्तन 18वीं शताब्दी के मध्य में इग्लैंड में आरंभ हुआ।

ऋतु-प्रवास
पशुपालकों का अपने पशुओं के साथ पर्वतों की ओर तथा पर्वतों से भिन्न जलवायु वाले प्रदेशों के बीच ऋतुवत गमनागमन।

कृषि
मृदा को जोतने, फसलें उगाने और पशुओं के पालन-पोषण का विज्ञान एवं कला।

कूपकी खनन
कोयला, बहुमूल्य पत्थरों और लोहे जैसे खनिजों को खोदने के लिए पृथ्वी में गहरा भूमिगत छिद्र करना। ऐसी खानों में ऊर्ध्वाधर और तिर्यक शैफ्ट और विभिन्न स्तरों पर क्षैतिज सुरंगें होती हैं।

खान (खदान)
कोयला, लौह-अयस्क और बहुमूल्य पत्थर जैसे खनिजों को निकालने के लिए पृथ्वी में की गई खुदाई। खुले खनन को छोड़कर खान का अभिप्राय सामान्यत: भूमिगत खनन से लिया जाता है।

खनिज
पृथ्वी की भू-पर्पटी में पाया जाने वाला पदार्थ, जिनका अधिकांश चट्टानों के विपरीत अपना एक रासायनिक संयोजन होता है।

खनिज अयस्क
पृथ्वी से प्राप्त अपनी कच्ची अवस्था में धातु।

खनिज ईंधन
कोयला और पेट्रोलियम जैसे अधात्विक खनिज, जिनका ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है।

खनिज तेल
पृथ्वी में पाए जाने वाले हाइड्रोकार्बन के ठोस, गैसीय अथवा तरल रूपों का मिश्रण। सामान्यत: इसे पेट्रोलियम के रूप में जाना जाता है। यह 1859 में ही एक वाणिज्यिक उत्पाद बना।

खनन
पृथ्वी से वाणिज्यिक दृष्टि से बहुमूल्य खनिजों की प्राप्ति से जुड़ी एक आर्थिक क्रिया।

खुली खदान
खुला उत्खनन जिसमें काटकर और विस्फोट से पत्थर प्राप्त किया जाता है।

गहन कृषि
कृषि, जिसमें अधिक उपज प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रति इकाई क्षेत्र में पूँजी और श्रम की बड़ी मात्रा का प्रयोग किया जाता है।

चलवासी पशुचारण
लोगों के जीवन का ढंग जिसमें उन्हें अपने पशुओं, उनकी अर्थव्यवस्था के आधार के लिए चरागाहों की तलाश में बार-बार एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपने निवास को स्थानांतरित करना पड़ता है।

जनगणना
निश्चित आर्थिक और सामाजिक आँकड़ों सहित किसी दिए गए क्षेत्र की किसी समय अंतराल पर की गई जनसंख्या की आधिकारिक गणना।

जनसंख्या घनत्व
किसी क्षेत्र की निश्चित इकाई, जैसे एक वर्ग किलोमीटर में बसने वाले निवासियों की औसत संख्या।

जीविका कृषि/निर्वाह कृषि
वाणिज्यिक कृषि के विपरीत, जिसमें उत्पादों का बड़े पैमाने पर व्यापार किया जाता है, वह कृषि जिसमें उसके उत्पादों

© NCERT not to be republished

का मुख्यत: किसान के घर में ही उपभोग कर लिया जाता है।

ट्रक फार्मिंग
नगरीय केंद्रों के चारों ओर लोगों की दैनिक माँगों को पूरा करने के लिए सब्जियों का उगाना ट्रक फार्मिंग कहलाता है। यह बाज़ार और फार्म के बीच एक ट्रक द्वारा एक रात में तय की गई दूरी द्वारा नियंत्रित होता है।

डेरी फार्मिंग
कृषि का वह प्रकार जिसमें मुख्य ध्यान दुधारू पशुओं के प्रजनन और पालन-पोषण पर दिया जाता है। कृषि फसलें मुख्यत: इन पशुओं को खिलाने के लिए उगाई जाती हैं।

द्वितीयक क्रियाएँ
उद्योग जो प्राथमिक क्रियाओं द्वारा उपलब्ध वस्तुओं को मनुष्य के लिए प्रत्यक्ष रूप से अधिक उपयोगी माल में रूपांतरण करते हैं।

नगरीकरण
लोगों का छोटे ग्रामीण अथवा कृषि समुदायों अथवा गाँवों से बड़े शहरों में सरकार, व्यापार, परिवहन और विनिर्माण जैसे विभिन्न क्रियाकलापों में रोज़गार पाने के लिए लोगों का सामान्य गमनागमन। यह कस्बों और नगरों में कुल जनसंख्या के बढ़ते हुए अनुपात के सांद्रण को भी इंगित करता है।

निर्यात
एक देश से दूसरे देश को प्रेषित वस्तुएँ।

प्राथमिक क्रिया
प्रकृति द्वारा प्रदत्त वस्तुओं–उदाहरणत: कृषि, मत्स्यन, वानिकी, आखेट अथवा खनन–का संग्रहण अथवा उन्हें उपलब्ध कराने से संबंधित क्रियाएँ।

प्राकृतिक संसाधन
खनिज निक्षेप, मिट्टी की उर्वरता, इमारती लकड़ी, ईंधन, जल, संभाव्य जल शक्ति, मत्स्य और वन्य जीवन इत्यादि जैसा प्रकृति द्वारा प्रदत्त धन।

परिवहन
व्यक्तियों और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का कार्य।

पर्यावरण
परिस्थान अथवा दशाएँ जिसमें व्यक्ति अथवा वस्तु वास करते हैं और अपने लक्षणों/स्वरूप का विकास करते हैं। इसके अंतर्गत भौतिक और सांस्कृतिक दोनों तत्व आते हैं।

पशुचारणता
एक अर्थव्यवस्था जो केवल पशुओं पर निर्भर करती है। जबकि घुमंतू पशुचारणता मुख्यत: निर्वाह के लिए की जाती है, आधुनिक रैंच वाणिज्यिक पशुचारणता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

पत्तन
जहाज़ों पर यात्रियों को चढ़ाने और उतारने, माल के लदान और उतरान और नौभार के भंडारण की कुछ सुविधाओं से युक्त पोताश्रय का एक वाणिज्यिक भाग।

पोताश्रय
गहरे जल का एक विस्तीर्ण भाग जहाँ पोत, सागर और प्राकृतिक लक्षणों अथवा कृत्रिम कार्यों से उत्पन्न महातरंगों से संरक्षण प्राप्त करने के लिए सुरक्षापूर्वक लंगर डालते हैं।

फेज़ेंडा
ब्राजील में कहवा का एक बागान।

फसल चक्रण
किसी दिए गए भू-भाग पर विभिन्न फसलों का एक क्रमिक अनुक्रमण ताकि मृदा की उर्वरता के समापन को रोका जा सके।

बागवानी (उद्यान कृषि)
खेतों में फसलें उगाने की तुलना में, प्राय: छोटे-छोटे भू-खंडों पर सब्जियों और फलों का उगाना।

मुक्त मार्ग
चौड़े महामार्ग जिन पर उपरली योजनक सड़कें बनाकर आर-पार की सड़कों से बचा जाता है ताकि किसी एक दिशा में मुड़ने पर सुगम और तीव्र यातायात सुनिश्चित हो सके।

महामार्ग
दूरस्थ स्थानों को जोड़ने वाली सार्वजनिक सड़क। राष्ट्रीय महत्त्व की ऐसी सड़क को राष्ट्रीय महामार्ग कहा जाता है।

महानगर
एक बहुत विशाल नगर अथवा देश के किसी ज़िले में जनसंख्या का संकुलन जो प्रशासन, वाणिज्य अथवा उद्योगों जैसी किसी क्रिया का स्थान अथवा मुख्य केंद्र होता है। यह सामान्यत: एक विशाल पश्चप्रदेश का पोषण करता है।

मिश्रित कृषि
कृषि का एक प्रकार जिसमें एक साथ फसलों को उगाया और पशुओं को पाला जाता है। ये दोनों क्रियाएँ अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

© NCERT not to be republished

रासायनिक उर्वरक
पौधों के जीवन के लिए आवश्यक फासफोरस, पोटासियम और नाइट्रोजन जैसे रासायनिक तत्वों से युक्त प्राकृतिक अथवा कृत्रिम मूल का पदार्थ। इन्हें मिट्टी में उसकी उत्पादकता को बढ़ाने के लिए डाला जाता है।

रैंच
पशुओं के बड़े-बड़े फार्म, जिनमें बाड़ लगी होती है, जहाँ वाणिज्यिक स्तर पर पशुओं का प्रजनन और पालन किया जाता है। ये मुख्यत: संयुक्त राज्य अमेरिका में पाए जाते हैं।

रोपण कृषि
फैक्ट्री उत्पादन से मिलती-जुलती बड़े पैमाने की एकल फसली कृषि। यह प्राय: बड़ी संपदा, भारी पूँजी निवेश और फसलों को उगाने की आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीक और व्यापार से अभिलक्षित होती है।

व्यापार संतुलन
देश के निर्यात और आयात के कुल मूल्यों के बीच अंतर। आयात की तुलना में निर्यात का आधिक्य अनुकूल व्यापार संतुलन और उसका विलोम प्रतिकूल व्यापार संतुलन कहलाता है।

विदेश विनिमय
भिन्न राष्ट्रीय मुद्रा प्रणालियों के अंतर्गत प्रचालन कर रहे किंहीं दो स्थानों के मध्य वास्तविक मुद्रा अथवा स्वर्ण इत्यादि का हस्तांतरण किए बिना भुगतान की विधि अथवा प्रक्रिया।

विस्तीर्ण कृषि
कृषि की वह पद्धति जिसमें किसी दिए गए क्षेत्र में पूँजी और श्रम की अपेक्षाकृत कम मात्रा का निवेश किया जाता है।

विवृत खनन
एक स्थान, जहाँ मिट्टी और उसके बाहरी आवरण को पहले हटाया जाता है और खनन करके खनिज अथवा अयस्क को प्राप्त किया जाता है। एक प्रकार से यह बड़े पैमाने पर खनन है। खनन की यह विधि विवृत खनन कहलाती है।

वस्तु विनिमय
दो पक्षों के मध्य परस्पर लाभ के लिए सौदे में टोकन, ऋण अथवा मुद्रा के प्रयोग के बिना आधिक्य उत्पादन का प्रत्यक्ष विनिमय।

शस्य चक्रण (फसलों का हेर-फेर)
मृदा उर्वरता को बनाए रखने के लिए एक ही खेत पर भिन्न मौसमों में विभिन्न फसलों को अनुक्रमण में उगाना।

शुष्क कृषि
अपर्याप्त वर्षा और सिंचाई की सुविधाओं से वंचित कुछ प्रदेशों में अपनायी जाने वाली कृषि की विधि, जिसमें मृदा में आर्द्रता का संरक्षण करके सूखा सहन कर सकने वाली फसलों को उगाया जाता है।

समोच्चरेखीय जुताई
पहाड़ियों के पार्श्वों अथवा ढालयुक्त भूमियों पर समोच्चरेखाओं के सहारे हल चलाना अथवा जुताई करना अर्थात मुख्य रूप से मृदा और जल के संरक्षण की दृष्टि से ढाल के ऊपर और नीचे की अपेक्षा चारों ओर जुताई।

स्थानांतरी कृषि
खेती की ऐसी विधि जिसमें कुछ वर्षों की अवधि तक एक भू-खंड पर खेती की जाती है, जब तक मिट्टी की उर्वरता आंशिक रूप से समाप्त नहीं हो जाती अथवा उस पर खरपतवार नहीं उग जाते। इसके पश्चात् भूमि को प्राकृतिक वनस्पति के लिए छोड़ दिया जाता है, जबकि कृषि कहीं और भी की जाती है। समय के अंतराल पर जब प्राकृतिक वनस्पति उर्वरता की पुनर्स्थापना कर देती है, तो मूल-भू-खंड पर पुन: कृषि की जाती है।

स्थानबद्ध कृषि
भूमि के उसी टुकड़े पर लगभग स्थायी कृषि की प्रथा जो स्थिर कृषि से मिलती-जुलती है।

© NCERT not to be republished